पौष शुक्ल पक्ष

14 जनवरी से 28 जनवरी 2021

ऋतु शिशिर
सूर्य
उत्तरायण

तिथि	दिनांक	सूर्योदय	सूर्यास्त
प्रतिपदा	14.01.21	7.18	17.41
अष्टमी	21.01.21	7.18	17.46
पूर्णिमा	28.01.21	7.15	17.53

तिथि	वार	नक्षत्र	दिनांक	चन्द्र संचार	व्रत पर्व त्योहार
प्रतिपदा	गुरू	श्रवण	14.01.21	मकर	चन्द्र दर्शन, मंकर संक्रांति प्रवेश 8.14 पुण्यकाल दिनभर, पोंगल पर्व, खरमास समाप्त
द्वितीया	शुक्र	धनिष्ठा	15.01.21	कुम्भ 17.09	पंचक प्रारम्भ 17.09 से
तृतीया	शनि	शतभिषा	16.01.21	कुम्भ	पंचक
चतुर्थी	रवि	पूर्वाभाद्र	17.01.21	मीन 25.19	गुरू (तारा) अस्त, पंचक
पंचमी	सोम	पूर्वाभाद्र	18.01.21	मीन	पंचक
षष्ठी	मंगल	उत्तराभाद्र	19.01.21	मीन	पंचक, सर्वार्थ सिद्धि योग 7.18 से 9.53 तक
सप्तमी	बुध	रेवती	20.01.21	मेष 12.35	पंचक समाप्त 12.35, गुरू गोविन्द सिंह साहिब जी प्रकाश दिवस
अष्टमी	गुरू	अश्विनी	21.01.21	मेष	सर्वार्थ सिद्धि योग 7.18 से 15.35 तक
नवमी	शुक्र	भरणी	22.01.21	वृष 25.22	–
दशमी	शनि	कृतिका	23.01.21	वृष	अमृत सिद्धि व सर्वार्थ सिद्धि योग 21.32 से 31.17 तक, नेताजी सुभाष चन्द्र जयंती
एकादशी	रवि	रोहिणी	24.01.21	वृष	पुत्रदा एकादशी व्रत (सबका), रोहिणी व्रत
द्वादशी	सोम	मृगशिरा	25.01.21	मिथुन 12.57	अमृत सिद्धि व सर्वार्थ सि. योग 7.17 से 25.54 तक
त्रयोदशी	मंगल	आर्द्रा	26.01.21	मिथुन	प्रदोष व्रत, गणतंत्र दिवस (72 वाँ)
चतुर्दशी	बुध	पुनर्वसु	27.01.21	कर्क 21.39	–
पूर्णिमा	गुरू	पुष्य	28.01.21	कर्क	पौषी पूर्णिमा, सत्यनारायण व्रत, माघ स्नान प्रारंभ, शाकुम्भरी देवी जयंती, लाजपत राय जयंती, अ.सि.यो. व स.सि. योग 7.15 से 27.49 तक

जन्म राशि और नाम राशि किन कार्यों में प्रधान है।

जन्म राशि : जिस नक्षत्र में जन्म हुआ हो उसके अनुसार व्यक्ति की जन्मराशि निश्चित होती है। विवाह आदि सभी संस्कार, समस्त मांगलिक कार्य, यात्रा, ग्रहों का प्रभाव आदि में जन्म राशि की प्रधानता होती है। इन कार्यों में नाम राशि से विचार नहीं करना चाहिए।

नाम राशि : अपनी इच्छा से विधिवत् नामकरण संस्कार द्वारा जो नाम रख लेते हैं उससे जो राशि बनती है उसे नाम राशि कहते है। देश, ग्राम और घर सम्बंधी काम, युद्ध, नौकरी, व्यापार, लेन, देन, दान आदि में नाम राशि की प्रधानता होती है। जन्म राशि का विचार नहीं करना चाहिए।